36th National Annual Convention

Century of Change - Leadership and Resilience in an Uncertain and Disruptive World Order

on 9th May, 2026

Press News Clippings

फटाफट खबरें

बदलती वैश्विक परिस्थितियों पर की चर्चा

■ NBT रिपोर्ट, टीएचए : गाजियाबाद मैनेजमेंट असोसिएशन की ओर से 36वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया। "सेंचुरी ऑफ चेंज : लीडरशिप एंड रेजिलिएंस इन एन अनसर्टेन एंड डिसरप्टिव वर्ल्ड ऑर्डर" विषय पर आयोजित इस अधिवेशन में उद्योग, शिक्षा और प्रबंधन क्षेत्र से जुड़े 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। डॉ. टीआर पांडेय ने कहा कि तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों में उद्योग और शिक्षा जगत के बीच समन्वय बेहद जरूरी हो गया है। राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि परिवर्तन अब निरंतर प्रक्रिया बन चुका है और संस्थानों को समय के मुताबिक, खुद को ढालना होगा। राज सिंह और अमित सरीन ने उत्पन्न चुनौतियों और अवसरों पर विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि एआई के दौर में निष्क्रियता भविष्य के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। वहीं, अदिति शर्मा और शांतनु माहेश्वरी ने उद्योग और अकादमिक जगत को नई तकनीकों के प्रति सजग रहने की सलाह दी।

जीएमए के 36वें राष्ट्रीय अधिवेशन में बदली दुनिया में नेतृत्व और लचीलेपन पर हुआ मंथन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन (जीएमए) द्वारा शुक्रवार को होटल सरोवर प्रीमियर में 36वां राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया। इस वर्ष अधिवेशन का विषय था– 'सेंचुरी ऑफ चेंज लीडरशिप एंड रेसिलिंस इन एन अनसर्टेन एंड डिस्क्रिप्टिव वर्ल्ड ऑर्डर'। कार्यक्रम में उद्योग, शिक्षा जगत तथा प्रबंधन क्षेत्र से जुड़े 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवेशन का शुभारंभ उद्घाटन सत्र से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में राजेश कुमार सिन्हा, प्रबंध निदेशक, जॉन डीरे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अतुल बी. लाल, प्रबंध निदेशक, डिक्सन टेक्नोलॉजीज उपस्थित रहे। उद्घाटन संबोधन डॉक्टर टीआर पांडे अध्यक्ष, गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन ने दिया। उन्होंने एसोसिएशन की गतिविधियों तथा उद्योग और शिक्षा जगत के विकास में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि परिवर्तन अब निरंतर प्रक्रिया बन चुका है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में उद्योगों के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था को भी समयानुकूल लचीलापन अपनाना होगा। लीडर्स को निर्णय लेने में तेज और जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना होगा। विशिष्ट अतिथि अतुल बी लाल ने तकनीकी नवाचार और डिजिटल बदलाव को लीडरशिप का मूल मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि भारत मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है, ऐसे में रेजिलिएंट लीडरशिप ही कंपनियों को आगे ले जाएगी। सप्लाई चेन, स्किल डेवलपमेंट और इनोवेशन पर फोकस जरूरी है। अधिवेशन में बदलती वैश्विक परिस्थितियों, जियो-पॉलिटिकल टेंशन, एआई और ऑटोमेशन के प्रभाव, तथा युवाओं के लिए नए अवसरों पर पैनल डिस्कशन भी हुए। उद्योग और एकेडमिया के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया गया।

डॉ टीआर पांडे अध्यक्ष, गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन, राजेश कुमार सिन्हा प्रबंध निदेशक, जोन डीरे, मुख्य अतिथि, अतुल बी लाल प्रबंध निदेशक, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, विशिष्ट अतिथि आदि उपस्थित रहे।

36th National Annual Convention

Century of Change - Leadership and Resilience in an Uncertain and Disruptive World Order

on 9th May, 2026

Press News Clippings

सोमवार 11 मई 2026 दिल्ली / एनसीआर /विविध nationalpresstimes@gmail.com www.nationalpresstimes.com 10

जीएमए के 36वें राष्ट्रीय अधिवेशन में बदली दुनिया में नेतृत्व और लचीलेपन पर हुआ मंथन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन (जीएमए) द्वारा शुक्रवार को होटल सरोवर प्रीमियर में 36वां राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया। इस वर्ष अधिवेशन का विषय था– ह्ल सेंचुरी ऑफ चेंज लीडरशिप एंड रेसिलिंस इन एन अनसर्टेन एंड डिस्क्रिप्टिव वर्ल्ड ऑर्डरह्व। कार्यक्रम में उद्योग, शिक्षा जगत तथा प्रबंधन क्षेत्र से जुड़े 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवेशन का शुभारंभ उद्घाटन सत्र से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में राजेश कुमार सिन्हा, प्रबंध निदेशक, जॉन डीरे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अतुल बी. लाल, प्रबंध निदेशक, डिक्सन टेक्नोलॉजीज उपस्थित रहे। उद्घाटन संबोधन डॉक्टर टीआर पांडे अध्यक्ष, गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन ने दिया। उन्होंने एसोसिएशन की गतिविधियों

तथा उद्योग और शिक्षा जगत के विकास में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि परिवर्तन अब निरंतर प्रक्रिया बन चुका है। वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में उद्योगों के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था को भी समयानुकूल लचीलापन अपनाना होगा। लीडर्स को निर्णय लेने में तेज और जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना होगा। विशिष्ट अतिथि अतुल बी लाल ने तकनीकी नवाचार और डिजिटल बदलाव को लीडरशिप का मूल मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि भारत मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है, ऐसे में रेजिलिएंट लीडरशिप ही कंपनियों को आगे ले जाएगी। सप्लाई चेन, स्किल डेवलपमेंट और इनोवेशन पर फोकस जरूरी है। अधिवेशन में बदलती वैश्विक परिस्थितियों, जियो-पॉलिटिकल टेंशन, एआई और ऑटोमेशन के प्रभाव तथा युवाओं के लिए नए अवसरों पर पैनल डिस्कशन भी हुए। उद्योग और एकेडमिया के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया गया। डॉ टीआर पांडे अध्यक्ष, गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन, राजेश कुमार सिन्हा प्रबंध निदेशक, जोन डेरे, मुख्य अतिथि, अतुल बी लाल प्रबंध निदेशक, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, विशिष्ट अतिथि आदि उपस्थित रहे।